राष्ट्रभाषा विशारद पूर्वार्द्ध–1
RASHTRABHASHA VISHARAD POORVARDH–1

समय : 3 घंटे] **[पूर्णांक : 100**

1. किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:- **20**

1) इन पाँच दिनों में मैंने सारा ब्रह्मांड छान डाला, पर उसका कहीं पता नहीं चला।

2) लेकिन मुझे दु:ख है कि मैं स्वयं तुम्हें यहाँ न आने की सलाह लिख रहा हूँ। मैं अपने बड़े–से–बड़े स्वार्थ के लिए भी तुम्हारा अहित नहीं सोच सकता।

3) कहने को तो कोई कुछ कह सकता है, लेकिन राजा-रईसों की नौकरी करना हँसी-खेल नहीं है।

4) कैसा बुरा रिवाज़ है जिसे जीते जी तन ढकने को चीथड़ा भी न मिले, उसे मरने पर क्या कफ़न चाहिए?

5) शत्रु का लोहा गरम भले ही हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम दे सकता है।

6) प्रमुख कलाकार जनता के लक्ष्य रहेंगे, माध्यमिक कलाकार उपलक्ष्य। इनमें भी जिनमें सबसे अधिक प्रांजलता होगी, उन्हीं को जनता के कलाकार ग्रहण करेंगे।

2. पठित पुस्तक के आधार पर "मेहमान से भगवान बचाएँ" (या) "कफ़न" पाठ का सारांश लिखिए। **20**

3. "तोताराम" (या) "निर्मला"" का चरित्र-चित्रण कीजिए। **15**

4. किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए:- **15**

1) कल्याणी 2) उदयभानु लाल 3) भालचन्द्र सिन्हा

4) रंगीली बाई 5) सियाराम

5. किसी एक कहानी का सारांश लिखकर कहानी-कला की दृष्टि से उसकी विशेषताएँ लिखिए:- **15**

1) उसने कहा था 2) गूँगे

6. किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए:- **15**

1) केशव 2) बुद्धन 3) शाहनी

4) भाई 5) चमेली

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~